MP Board Class 6th Notes Sanskrit Chapter 14 जन्तुशाला

जन्तुशाला हिन्दी अनुवाद

भोपालनगरात्
२२-१०-०५

प्रिय मित्र गोपाल!
सस्नेह नमस्ते।
अत्र सर्वं कुशलं तत्रापि कुशलं भवतु। मम मासिकमूल्याङ्कनं समाप्तम्। अहं जनकेन सह जन्तुशालाम् अगच्छम्। किं त्वं जानासि ? जन्तवः अस्माकं मित्राणि सन्ति। जन्तुशालायां जन्तवः अस्माकं मनांसि रञ्जयन्ति। तत्र अहं व्याघ्र जम्बूकं,ऋक्षं, गज, सिंह, वानरं, मकर,शशकं, हरिणं च अपश्यम्। अहं तत्र शुकं, बकं, सारसं, मयूर, हंसं तथा च अन्यान् खगान् अपि अपश्यम्।

अनुवाद :

भोपाल नगर से
२२-१०-०५

प्रिय मित्र गोपाल!
स्नेहपूर्वक नमस्ते।
यहाँ सब कुशल हैं, वहाँ भी कुशल होंगे। मेरी तिमाही परीक्षा समाप्त हो गयी हैं। मैं पिता के साथ जन्तुशाला (चिड़ियाघर) गया था। क्या तुम जानते हो ? जन्तु (प्राणी) हमारे मित्र हैं। जन्तुशाला में जन्तु हमारे मन को प्रसन्न करते हैं। वहाँ मैंने व्याघ्र, जम्बूक (सियार), रीछ, हाथी, सिंह (शेर), बन्दर, मगरमच्छ, खरगोश और हिरण देखे। मैंने वहाँ तोता, बगुला, सारस, मोर, हंस तथा अन्य पक्षियों को भी देखा।

सिंहः उच्चैः गर्जति। वानरः पञ्जरे भ्रमति, उत्पतति च। तस्य पुच्छं दीर्घं भवति। मकरः जले निवसति। मयूरः नृत्यति। सः अस्माकं राष्ट्रीयः पक्षी अस्ति। अलम् अतिविस्तरेण, त्वं अत्र स्थितस्य प्राणिसंग्रहालयस्य अवलोकनार्थं भोपालनगरे मम गृहं आगच्छ। तव जनकाय जनन्यै च नमः। स्वस्ति अनुजाय। पत्रोत्तरं शीघ्रं लिखतु।

तव मित्रम्
सुरेशः

अनुवाद :
सिंह जोर से (ऊँची) गरजना करता है। बन्दर पिंजड़े में घूमता है और उछलता है। उसकी पूँछ लम्बी होती है। मगरमच्छ जल में रहता है। मोर नाचता है। वह हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। अधिक विस्तार की आवश्यकता नहीं है। तुम यहाँ स्थित प्राणि संग्रहालय को देखने के लिए भोपाल नगर में मेरे घर आ जाओ। तुम्हारे पिता और माता को नमस्कार। छोटे भाई को स्वस्ति (कल्याण हो)। पत्र का उत्तर शीघ्र लिखो।

तुम्हारा मित्र
सुरेश।

जन्तुशाला शब्दार्थाः

जन्तुशाला = चिड़ियाघर। अस्माकं = हमारा। शुकं = तोता को। रञ्जयन्ति = मनोरंजन करते हैं। बकं = बगुला को। व्याघ्रं = बाघ को। जम्बूकं = सियार को। उच्चैः = जोर से। ऋक्षं = रीछ को। गर्जति = गरजता है। खगान = पक्षियों को। उत्पतति = उछलता है। गज = हाथी को। निवसति = रहता है। वानरं = बन्दर को। अलं = बस। मकरं = मगर को। आगच्छ = आओ। शशकं = खरगोश को। नेष्यामि = ले जाऊँगा। हरिणं = हरिण को। अनुजाय = छोटे भाई को।

https://www.evidyarthi.in/